# Skill Development Programme

## For Answer Writing

## Ethics (Model Answer)

**DATE : 31-July-2018** **TIME : 03:15 pm**

**मुख्य परीक्षा**

**प्रश्न- राज्य नैतिक अवयवों का प्रतिरूप है, उदाहरण सहित स्पष्ट करते हुए भारतीय संविधान में मजबूत नैतिक अवयवों का संक्षिप्त परिचय दें। ( 150 शब्द, 10 अंक )**

**State is a model of moral components. While explaining with examples briefly introduce the moral components of the Indian Constitution. (150 Words, 10 Marks)**

## MODEL ANSWER

उत्तर- भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है-

विश्व के लगभग सभी विचारकों का यह मानना है कि राज्य की उत्पत्ति का मूल श्रोत ही नैतिक अवयव है, ऐसे में राज्य नैतिकता तथा नैतिक स्थापना का प्रतिरूप कहा जा सकता है, क्योंकि राज्य के शासन का औचित्य ही जनकल्याण से स्थापित होता है।

**मुख्य विषय वस्तु-**

- अपनी अर्थशास्त्र नामक पुस्तक में कौटिल्य ने मत्स्य न्याय की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए प्रजा द्वारा मनु से अपनी सुख, शांति व समृद्धि के लिए शासक रूपी नैतिक संस्था की स्थापना की बात कही।
- इसी पुस्तक में राज्य के नैतिक अवयवों को परिभाषित करते हुए कहा गया है कि यदि राज्य वास्तव में है, तो वह केवल नैतिक राज्य है और जो राज्य नैतिक नहीं है, वह राज्य नहीं है।
- अर्थशास्त्र के एक-दूसरे उद्धरण में प्रजा के सुख में ही राजा का सुख तथा प्रजा के कल्याण में उसका कल्याण, राज्य के नैतिक स्वरूप का स्पष्ट प्रमाण है।
- सही विचार अलग-अलग तर्कों के माध्यम से हाब्स, मांटेस्क्यू, रूसों तथा काण्ट जैसे दार्शनिकों ने प्रस्तुत किया है।

**भारतीय संविधान में नैतिक अवयव-**

- भारतीय संविधान की उद्देशिका स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व, पंथनिरपेक्षता तथा कल्याणकारी राज्य की स्थापना के साथ जनता द्वारा संविधान को आत्मार्पित करना।
- मौलिक अधिकार का अनुच्छेद-14, 18, 19 तथा 22 इत्यादि।
- पंचायती राज व्यवस्था की स्थापना।
- अनुसूची IX तथा X इत्यादि।

**अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।**

* * *

GS World Committed To Excellence